मीनाक्षी चित्तरंजन

अकादेमी पुरस्कारः भरतनाट्यम

MEENAKSHI CHITHARANJAN

Akademi Award: Bharatanatyam

तमिलनाडु के चेन्नई में 3 फरवरी 1955 को जन्मी, श्रीमती मीनाक्षी चित्तरंजन एक ऐसी भारतीय नृत्यांगना, शिक्षिका और कोरियोग्राफर हैं, जिन्हें भरतनाट्यम की पंडानल्लूर शैली का प्रतिपादक माना जाता है। आपकी कला यात्रा का आरम्भ तभी हो गया था, जब आप महज चार साल की थीं। चोक्कालिंगम पिल्लई और सुब्बाराय पिल्लई के मार्गदर्शन में आपने प्रशिक्षण लेना शुरु किया था। दोनों गुरुओं के कठोर और अनुशासित प्रशिक्षण ने नृत्यांगना के रूप में आपके भावी भविष्य का मार्ग प्रशस्त किया। आपका अरंगेत्रम नौ साल की उम्र में हुआ था और उसके बाद आपने सुब्बाराय पिल्लई के संरक्षण में नृत्य का अध्ययन जारी रखा। आपने कलानिधि नारायणन के अधीन अभिनय का प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

आपने देश में आयोजित होने वाले प्रमुख नृत्य समारोहों में अपनी प्रस्तुतियाँ दी है। आपने प्रतिष्ठित सांस्कृतिक संस्थाओं के तत्वावधान में व्याख्यान–प्रदर्शन और कार्यशालाओं का आयोजन किया है। आप कलादीक्षा की संस्थापक हैं, जो भरतनाट्यम को बढ़ावा देने वाली संस्था है और भरतनाट्यम की पंडानल्लूर परम्परा को संरक्षित करने का प्रयास कर रही है। आपने कई प्रतिभावान युवा नर्तकियों को प्रशिक्षित भी किया है।

आपको बहुत से पुरस्कारों और उपाधियों से सम्मानित किया गया है, जिनमें तमिलनाडु सरकार की ओर से दिया गया कलईमामणि पुरस्कार (1975); कृष्ण गान सभा द्वारा दिया गया नृत्य चूडामणि (1999); भारत सरकार द्वारा प्रदान किया गया पद्म श्री (2008), और भारतीय विद्या भवन द्वारा दी गई नृत्य रत्न (2020) की उपाधि प्रमुख है।

श्रीमती मीनाक्षी चित्तरंजन को भरतनाट्यम में योगदान के लिए वर्ष 2020 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

Born on 3 February 1955 in Chennai, Tamil Nadu, Shrimati Meenakshi Chitharanjan is an Indian dancer, teacher and choreographer known as an exponent of the Pandanallur style of Bharatanatyam. She began her artistic journey when she was four years old and trained under the father-son duo of Chokkalingam Pillai and Subbaraya Pillai. Her strict and disciplined training paved the way for a promising career ahead. She staged her arengetram at the age of nine and continued her tutelage under Subbaraya Pillai. She has trained under Kalanidhi Narayanan in abhinaya.

She has performed extensively within the country at various major dance festivals. She has also conducted lecture-demonstrations and workshops at prestigious forums. She is the founder of Kaladiksha, an institution promoting Bharatanatyam and striving to preserve the Pandanallur tradition. She has tutored many aspiring dancers.

She is a recipient of several honours, including Kalaimamani Award from the Government of Tamil Nadu (1975); Nrithtya Choodamani conferred by the Krishna Gana Sabha (1999); Padma Shri by the Government of India (2008); and Nritya Ratna bestowed by the Bharatiya Vidya Bhavan (2020).

Shrimati Meenakshi Chitharanjan receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2020 for her contribution to Bharatanatyam.